Gandhian Heritage in Modern India

Department of Posts has been conducting stamp design competitions on various themes since 2015 on the occasion of Republic Day, Independence Day and Children's Day at national level. Based on the prize winning entries received from the participants, stamps are designed and released. Selected participants are given cash awards. This time, a nationwide photography competition on the theme "Gandhian Heritage in Modern India" was conducted on the occasion of Independence Day, 2019. Based on the selected entries, Stamps, First Day Cover and Brochure have been designed. The first three winners of the Photography Competition are Sh. Kaushik Majumdar, Sh. Ritesh Raj and Sh. Rodrigues Carmo Jesus Jose. Five consolation prize winners are Sh. Tejendrasinh Mohansinh Solanki, Ms. Shivani Dayaa. A. S., Sh. Amit Vakil, Sh. Pallab Pramanik and Sh. Aniruddha Pal.

Mahatma Gandhi is known as the Father of the Nation. Origin of this title is traced back to a radio address (on Singapore radio) on 6 July 1944 by Subhash Chandra Bose where Bose addressed Gandhi as "The Father of the Nation". On 28 April 1947, Sarojini Naidu during a conference also referred to Gandhi as "Father of the Nation". The Nation is indebted to him for getting liberation from the yoke of the foreign rule. His influence and legacy pervade diverse aspects of the life and culture of modern India.

Khadi - A national and international fashion fabric

Post-independence, the Government of India established the Khadi and Village Industries Commission in 1956 and included the development of khadi under the gamut of Five Year Plans. In the recent years, due to several initiatives and support of the current government as well as from film celebrities, sports persons etc. Khadi products have caught the attention of the wider public. Today, Khadi is used by top fashion designers to create Haute Couture garments. Khadi is in fashion, both amongst the classes as well as the masses.

Film, Theatre and Literature

Mahatma Gandhi perhaps is the most popular subject of the Indian Media and the creative Art fraternity.

Ben Kingsley portrayed him in Richard Attenborough's 1982 film "Gandhi", which won the Academy Award (Oscars) for Best Picture.

The 1996 film "The Making of the Mahatma" documented Gandhi's stay in South Africa and his transformation from an inexperienced barrister to a recognised political leader. Gandhi was a central figure in the 2006 superhit Bollywood comedy film "Lage Raho Munna Bhai".

Jahnu Barua's "Maine Gandhi Ko Nahin Mara" (I did not kill Gandhi), places modern Indian contemporary society as a backdrop with its vanishing memory of Gandhi's values as a metaphor.

Several biographers have undertaken the task of describing Gandhi's life. Among them are D. G. Tendulkar with his 'Mahatma: Life of Mohandas Karamchand Gandhi' in eight volumes, Chaman Nahal's Gandhi Quartet, and Pyarelal and Sushila Nayyar with their Mahatma Gandhi in 10 volumes. The 2014 film Welcome Back Gandhi takes a fictionalised look at how Gandhi might react to modern day India.

Monuments

There are many temples in India dedicated to Gandhi. One is located at Sambalpur in Odisha, the second at Nidaghatta village near Kadur in Chikmagalur district of Karnataka and the third one at Chityalin district of Nalgonda, Telangana. The Gandhi Memorial in Kanyakumari resembles central Indian Hindu temples and the Tamukkam or Summer Palace in Madurai now houses the Mahatma Gandhi Museum. "The Gandhi Mandapam", a temple in Kanyakumari, Tamil Nadu in India, was exclusively erected to honour him.

Innumerable statues of Gandhi adorn the main crossings of the capital city of New Delhi, the most prominent tourist attraction being the "Gyarah murti" or 11 statues of Gandhi ji and others leading the Dandi March, which is a prize-winning entry and features in one of the stamps. Statues of Gandhiji and wall paintings based on his life and times can be seen at other prominent locations in all major cities in the country as well. Another prize-winning winning entry shows the statue of Mahatma Gandhi and a local village girl at Velha Goa (Old Goa) and is depicted in the other stamp.

MEMOIRS

Hundreds of prominent roads and localities all across the country are named after Gandhiji. Even there are many Post offices with PIN Codes based at these locations.

Gandhi's birthday, 2nd October, is celebrated as a national holiday in India, "Gandhi Jayanti" and his date of death, 30 January, is commemorated as Martyrs' Day in India.

Gandhi's image also appears on Indian paper currency of all denominations issued by Reserve Bank of India, except for the one rupee note. Many regular and commemorative coins have been issued by India Government mint, which are prized collectibles worldwide.

Department of Posts has designed a set of two Commemorative Postage Stamps, First Day Cover and Brochure on Gandhian Heritage in Modern India based on the prize-winning entries of the Stamp Design Competition on the occasion of Independence Day 2019. The Department is proud to pay a tribute to the Mahatma during his 150th Birth Anniversary celebrations through the release of this philatelic material.

Credits:

Stamps/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet : Smt. Nenu Gupta, based on selected entries received from participants

Text : Based on the information provided by empanelled writer Sh. Pallab Bose
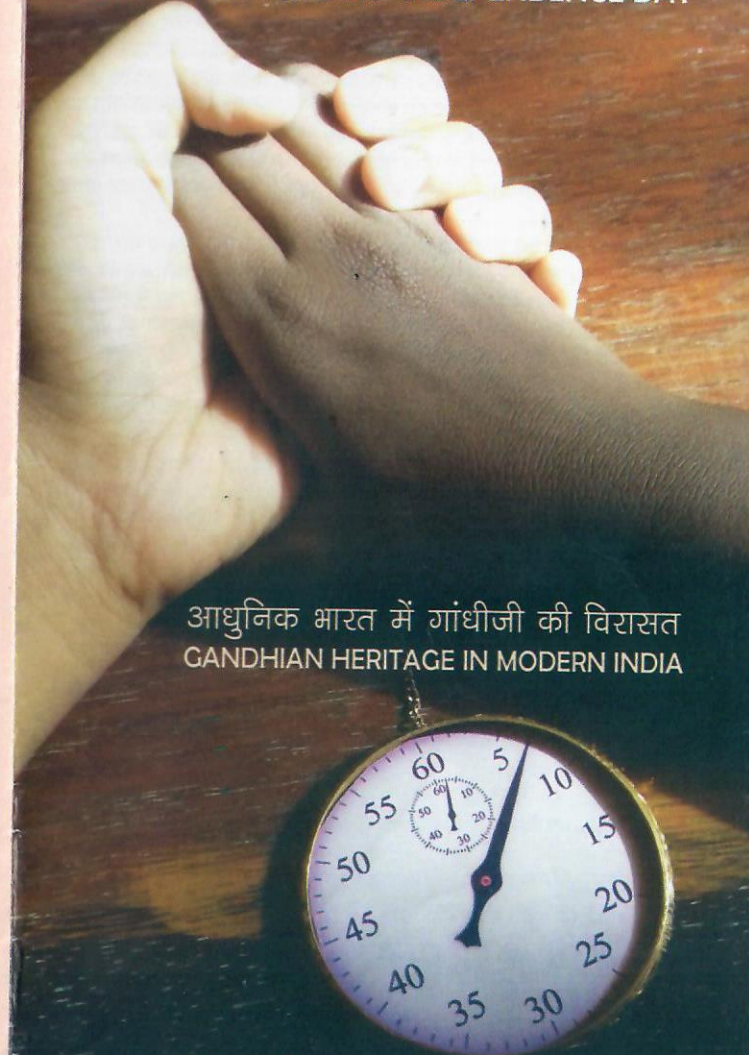
आधुनिक भारत में गांधीजी की विरासत

डाक विभाग, वर्ष 2015 से गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और बाल दिवस के अवसर पर, विभिन्न विषयों पर राष्ट्रीय स्तर की डाक टिकट डिजाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन करता रहा है। इन प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों से प्राप्त पुरस्कृत प्रविष्टियों के आधार पर डाक टिकट डिजाइन कर जारी किए जाते हैं। इस बार स्वतंत्रता दिवस, 2019 के अवसर पर "आधुनिक भारत में गांधीजी की विरासत" विषय पर राष्ट्रव्यापी फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चयनित प्रविष्टियों के आधार पर डाक–टिकट, प्रथम दिवस आवरण और सूचना विवरणिका का डिजाइन तैयार किया गया है। फोटोग्राफी प्रतियोगिता के प्रथम तीन विजेता श्री कौशिक मजूमदार, श्री रितेश राज और श्री राडरिग्स कारमो जीसस जोस हैं। पांच सांत्वना पुरस्कार विजेता श्री तेजेन्द्रसिंह मोहनसिंह सोलंकी, सुश्री शिवानी दया. ए. एस, श्री अमित वकील, श्री पल्लब प्रमाणिक और श्री अनिरूद्ध पाल हैं।

महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता के रूप में जाना जाता है। सुभाषचन्द्र बोस द्वारा 6 जुलाई, 1944 को एक रेडियो संदेश (सिंगापुर रेडियो पर) में इस उपनाम का सर्वप्रथम प्रयोग किया था, जब बोस ने गांधीजी को 'राष्ट्रपिता' के रूप में संबोधित किया था। 28 अप्रैल, 1947 को सरोजिनी नायडू ने भी एक सम्मेलन के दौरान गांधीजी का 'राष्ट्रपिता' के रूप में जिक्र किया था। राष्ट्र, विदेशी हुकूमत की दासता से आजादी दिलाने के लिए उनका ऋणी है। उनका प्रभुत्व और उनकी विरासत, आधुनिक भारत के जीवन और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं में व्याप्त है।

खादी– एक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फैशन वस्त्र

स्वतंत्रता के पश्चात्, भारत सरकार ने महात्मा गांधी के सम्मान में वर्ष 1956 में खादी और ग्रामोद्योग आयोग की स्थापना की तथा खादी के विकास को पंचवर्षीय योजनाओं में शामिल किया। हाल के वर्षों में, मौजूदा सरकार की विभिन्न पहलों और समर्थन से तथा फिल्म और खेल जगत आदि की मशहूर हस्तियों के सहयोग से खादी के उत्पादों ने, व्यापक रूप से लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। आज, बड़े और नामी फैशन डिजाइनर खादी कपड़े से, विशेष रूप से महिलाओं के लिए उच्च फैशन के भव्य परिधान तैयार करने के लिए खादी कपड़े को प्रयोग में लाते हैं। उच्च श्रेणी के लोगों और जनसाधारण, दोनों ही वर्गों के लिए खादी, फैशन के रूप में लोकप्रिय है।

फिल्म, थियेटर और साहित्य

भारतीय मीडिया और रचनात्मक कला जगत में महात्मा गांधी शायद सर्वाधिक लोकप्रिय विषय है।

बेन किंग्सले ने रिचर्ड अटेनबरो की 1982 की फिल्म "गांधी" में उनकी भूमिका निभाई थी जिसे सर्वश्रेष्ठ फिल्म के लिए अकादमी अवार्ड (ऑस्कर) प्रदान किया गया था।

वर्ष 1996 की फिल्म "द मेकिंग ऑफ द महात्मा", दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी के प्रवास तथा एक अनुभवहीन बैरिस्टर से एक प्रख्यात नेता के रूप में उनके परिवर्तन पर आधारित है। वर्ष 2006 की सुपरहिट बॉलीवुड हास्य फिल्म "लगे रहो मुन्ना भाई" में गांधीजी ही मुख्य विषय थे।

जाहनु बरुआ की फिल्म "मैंने गांधी को नहीं मारा" में आधुनिक भारत के समकालीन समाज की पृष्ठभूमि में, गांधीजी के लुप्त होते आदर्शों को रूपक के रूप में दर्शाया गया है।

अनेक लेखकों ने गांधीजी की जीवनी लिखी है। उनमें डी जी तेंदुलकर जिन्होंने 'महात्मा: मोहनदास करमचन्द गांधी का जीवन', आठ खंडों में, चमन नाहल की 'गांधी क्वार्टेट' और प्यारेलाल और सुशीला नय्यर की 'महात्मा गांधी' (दस खंडों में) शामिल हैं। वर्ष 2014 की फिल्म "वेल्कम बैक गांधी" में आधुनिक भारत के प्रति महात्मा गांधी की प्रतिक्रिया को कहानी के रूप में दर्शाया गया है।

स्मारक

देश में गांधीजी को समर्पित कई मंदिर हैं। एक मंदिर संबलपुर, ओडिशा में, दूसरा कर्नाटक के चिकमगलूर जिले में कादूर के समीप निदाघट्टा गांव में और तीसरा मंदिर नालगोंडा, तेलंगाना के चितयालीन जिले में स्थित है। कन्याकुमारी में स्थित गांधी स्मारक, मध्य भारतीय हिन्दु मंदिरों से मेल खाता है और मदुरै में तमुक्कम अथवा समर पैलेस में अब महात्मा गांधी संग्रहालय है। भारत के तमिलनाडु राज्य में कन्याकुमारी स्थित "गांधी मंडपम" मंदिर का निर्माण विशेष रूप से उनके सम्मान में किया गया था।

गांधीजी की अनगिनत मूर्तियां देश की राजधानी नई दिल्ली के मुख्य चौराहों की शोभा बढ़ाती हैं। इनमें "ग्यारह मूर्ति" पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र हैं। इसमें गांधीजी और अन्य लोगों की 11 प्रतिमाएं हैं, जिन्हें दांडी मार्च का नेतृत्व करते हुए दर्शाया गया है। यह एक पुरस्कार–विजेता प्रविष्टि है और इसे डाक–टिकट पर चित्रित किया गया है। गांधीजी के जीवन और उनके समय पर आधारित गांधीजी की मूर्तियों और भित्तीचित्रों को देश के अन्य प्रमुख शहरों के प्रसिद्ध स्थलों पर भी देखा जा सकता है। अन्य पुरस्कार–विजेता प्रविष्टि महात्मा में गांधीजी की मूर्ति और वेल्हा गोवा (पुराना गोवा) की एक स्थानीय ग्रामीण कन्या को दर्शाया गया है तथा इसे दूसरी डाक टिकट पर अंकित किया गया है।

संस्मरण

देशभर में सैंकड़ों प्रमुख सड़कों और स्थानों के नाम गांधीजी के नाम पर रखे गए हैं। इन स्थानों के आधार पर पिनकोड सहित अनेक डाकघर भी हैं।

भारत में गांधीजी की जन्मतिथि अर्थात् 2 अक्तूबर को गांधी जयंती (राष्ट्रीय अवकाश का दिन) के रूप में तथा उनकी पुण्यतिथि, 30 जनवरी को शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

गांधीजी की छवि, एक रुपए के नोट को छोड़कर, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी सभी मूल्यवर्ग की भारतीय कागजी मुद्रा पर भी अंकित की गई है। भारत सरकार की टकसाल द्वारा अनेक नियमित और स्मारक सिक्के जारी किए गए हैं, जिनका विश्वभर में बेशकीमती संग्रहणीय वस्तुओं के रूप में संग्रह किया जाता है।

डाक विभाग ने, स्वतंत्रता दिवस 2019 के अवसर पर आधुनिक भारत में गांधीजी की विरासत विषय पर आयोजित डाक–टिकट डिजाइन प्रतियोगिता की पुरस्कृत प्रविष्टियों के आधार पर दो स्मारक डाक–टिकटों के सेट, प्रथम दिवस आवरण और सूचना विवरणिका का डिजाइन तैयार किया है। विभाग, महात्मा गांधी के 150वें जयंती वर्ष समारोह के दौरान, फिलैटली संबंधी सामग्री जारी कर गांधीजी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गर्व का अनुभव करता है।

आभार :

डाक टिकट / प्रथम दिवस आवरण / विवरणिका / विरुपण कैशे : श्रीमती नीनू गुप्ता, प्रतिभागियों से प्राप्त चयनित प्रविष्टियों के आधार पर

मूलपाठ : पैनलबद्ध लेखक श्री पल्लव बोस द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग Denomination	: 2500 पैसा, 1500 पैसा : 2500 p, 1500 p
मुद्रित डाक-टिकटें Stamps Printed	: 500000 प्रत्येक : 500000 each
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	: वेट ऑफसेट : Wet Offset
मुद्रक Printer	: भारतीय प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद : Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्यः ₹ 5.00